SLR-CT-1

Seat No.	

Set P

M.A. (Sanskrit) (Semester - I) (CBCS) Examination: Oct/Nov-2022
वेदवाग्डमय (ईश, केन, कठ, उपनिषदे)

Day & Date: Monday, 13-02-2023 Max. Marks: 80
Time: 03:00 PM To 06:00 PM

सूचना : 1) सर्व प्रश्न अनिवार्य आहेत.
1) All questions are compulsory.
2) उजवीकडील अंक पुर्ण गुण दर्शवितात.

प्र.1 योग्यं पर्यायं चिनतु। **16**
योग्य पर्याय निवडा.

1) उद्गाता' ऋत्विक् ––– वेदस्य विद्यते।
अ) साम ब) अथर्व
क) यजुः ड) ऋक्

2) गोपथब्राह्मणं ––– वेदस्य विद्यते।
अ) साम ब) ऋक्
क) अथर्व ड) यजुः

3) उपनिषदांची प्रसिध्द संख्या ––– आहे.
अ) 08 ब) 05
क) 12 ड) 11

4) अधोलिखितेषु प्रस्थानत्रयेषु ––– गणना भवति।
अ) वेदस्य ब) ब्रह्मसूत्रस्य
क) व्याकरणस्य ड) रामायणस्य

5) कौटिल्यशास्त्रस्य मुख्यविषयः ––– वर्तते।
अ) वेदीनिर्माण ब) शस्त्रविद्या
क) राजनितिः ड) आयुर्वेद

6) वेदीनिर्माणवर्णनं ––– कल्पशास्त्रे कृतमास्ति।
अ) श्रौत ब) शूल्व
क) गृहय ड) साम

7) वेदांगानां ––– संख्या वर्तते।
अ) 06 ब) 08
क) 05 ड) 09

8) शिक्षानुसारंवेदस्य मुख्यरूपेणस्वीकृतः ––– ग्रन्थः वर्तते।
अ) शिक्षा ब) कल्प
क) व्याकरण ड) निरूक्त

9) वेदस्य हस्तरूपेण स्वीकृतः ——— ग्रन्थः वर्तते।
अ) शिक्षा ब) कल्प
क) व्याकरण ड) निरूक्त

10) निरूक्तशास्त्र वेदाचा ——— म्हणून स्वीकारला जातो.
अ) शिक्षा ब) पाय
क) श्रोत्र ड) नेत्र

11) नचिकेतसः पित्राकृतः यागविशेषः ——— अस्ति।
अ) विश्वजित् ब) सोमयाग
क) राजसूय ड) अश्वमेध

12) खालीलपैकी वेदाविभाजक म्हणून ——— ओळखल जातो.
अ) कणाद ब) जैमिनि
क) वेदव्यासः ड) यास्क

13) खालीलपैकी कर्मकाण्ड विषयक म्हणून ——— ओळखला जातो.
अ) साम ब) यजुः
क) अथर्व ड) ऋक्

14) षोडशसंस्काराणां वर्णनं ——— कल्पसूत्रे विद्यते।
अ) श्रौत ब) शूल्व
क) गृह्य ड) छन्दः

15) ऋग्वेदे ——— मण्डलानि सन्ति।
अ) अष्ट ब) सप्त
क) नव ड) दश

16) महीधराचार्य ——— अस्ति?
अ) वेदभाष्यकारः ब) श्रौतसूत्रकाराः
क) गृह्यसूत्रकाराः ड) शुल्बसूत्रकाराः

प्र.2 अधोलिखितेषु चतस्रः टिप्पण्यः लिखत? **16**

1) वेदाः।
2) ब्राह्मणग्रन्थाः।
3) आरण्यकम्।
4) वेदांगानि।
5) सायणाचार्यः।
6) महर्षिदयानन्दः।

प्र.3 अधोलिखितेषु द्वयोः प्रश्नयोः व्याख्यां कुरूत? **16**

1) शिक्षाशास्त्रस्य सविस्तरं परिचयं लिखत?
2) वेदानां कालनिर्णयपरिचयं लिखत?
3) मैक्समूलरस्य परिचयं लिखत?
4) अध्यापनमध्ययनं यजनं याजनं तथा। दानं प्रतिग्रहं चैव ब्राह्मणानामकल्पयत।।

प्र.4 अधोलिखितयोः एकस्य प्रश्नस्य सविस्तरं व्याख्यां कुरूत? 16

1) ऐतरेयब्राह्मणानुसारं 'शुनशेप' आख्यानस्य वर्णनं कुरूत।
2) उपनिषदशब्दस्य लक्षणं लिखित्वा तेषां सविस्तरं परिचय लिखत।

प्र.5 वैदिककालीन सामाजिकव्यवस्थायाः सविस्तरं वर्णनं कुरूत? **16**

SLR-CT-2

Seat No.	

Set P

M.A. (Sanskrit) (Semester - I) (CBCS) Examination: Oct/Nov-2022
पुराण (18 पुराणांचा परिचय व ब्रह्मपुराण आदिखण्ड अध्याय 18 ते 23)

Day & Date: Tuesday, 14-02-2023 Max. Marks: 80
Time: 03:00 PM To 06:00 PM

सूचना : 1) सर्व प्रश्न अनिवार्य आहेत.
2) उजवीकडील अंक पूर्ण गुण दर्शवितात.

प्र.1 योग्य पर्यायं चिनुत। **16**
योग्य पर्याय निवडा.

1) अग्निपुराणस्य श्लोकसंख्या ––– विद्यते।
अ) 14000 ब) 15000
क) 16000 ड) 17000

2) युद्धादिनांवर्णनं ––– पुराणेवर्णितमस्ति।
अ) अग्नि ब) ब्रह्म
क) वायु ड) नारद

3) शिववर्णनं मुख्यरूपेण ––– पुराणेवर्णितमस्ति।
अ) भविष्य ब) गरूड
क) कूर्म ड) लिंग

4) भागवत्पुराणे ––– स्कन्धाः सन्ति।
अ) 12 ब) 13
क) 14 ड) 15

5) पुराणानुसारं विद्यावतां ––– परीक्षा।
अ) वायोः ब) अग्नेः
क) भागवते ड) नारदे

6) महापुराणेषुदीर्घतमं ––– पुराणमस्ति।
अ) ब्रह्मवैवर्त्त ब) गरूड
क) भविष्य ड) स्कन्द

7) निगमकल्पतरोर्गलितम्'' इति ––– पुराणस्य कृतेउक्तमस्ति।
अ) भागवत् ब) ब्रह्म
क) नारद ड) विष्णु

8) स्कन्दपुराणस्य श्लोकसंख्या ––– अस्ति।
अ) 80,000 ब) 81,000
क) 82,000 ड) 83,000

9) तात्पर्यदीपिका नामटीका ––– पुराणेविद्यते।

अ) गरूड | ब) कूर्म
क) स्कन्द | ड) वायु

10) ब्रह्मणः नगरी ––– पर्वतेविद्यते।

अ) केसर | ब) मेरू
क) मन्दर | ड) भद्राश्व

11) ब्रह्पुराणानुसारंमेरूपर्वतः ––– अस्ति।

अ) सुवर्णमयः | ब) ताम्रमयः
क) रजतमयः | ड) रत्नमयः

12) ब्रह्पुराणानुसारंभारतवर्षे ––– द्वीपाः सन्ति।

अ) 09 | ब) 06
क) 03 | ड) 07

13) ब्रह्पुराणानुसारंभारतवर्षस्य ––– योजनविस्तारः अस्ति।

अ) 10,000 | ब) 9,000
क) 5,000 | ड) 6,000

14) ब्रह्पुराणानुसारंअलकनन्दायाः ––– विभाजनंवर्तते।

अ) 07 | ब) 08
क) 09 | ड) 10

15) मेरूपर्वतस्य दक्षिणभागे ––– देशः विद्यते।

अ) अमेरिका | ब) इलावृतः
क) भारत | ड) हिरण्मयः

16) सुमेरूपर्वतः ––– द्वीपे विद्यते।

अ) शाल्मल | अ) शाक
क) कुश | क) जम्बू

प्र.2 अधोलिखितेषु चतस्रः टिप्पण्यः लिखत? **16**

अ) ब्रह्वैवर्तपुराणम्।
ब) पुराणमहत्वम्।
क) लिंगपुराणम्।
ड) पुराणलक्षणम्।
इ) अग्निपुराणम्।
ई) उपपुराणनामानि।

प्र.3 अधोलिखितेषु द्वयोः व्याख्यां कुरूत? **16**

अ) पुराणशब्दस्य विविधग्रन्थेषु कृतः अर्थः प्रतिपादनीयः (व्याकरणे, वायुपुराणे, महाभारते, सायणाचार्य)
ब) मद्वयं भद्वयं चैव ब्रत्रयं वचतुष्टयम्। अनापलिंगकुस्कानि पुराणानि प्रचक्षते।।
क) अष्टादक्ष पुराणेषु व्यासस्य वचनद्वयम्। परोपकारः पुण्याय पापाय परपीडनम्।।
ड) मन्वन्तरशब्दस्य अर्थ लिखित्वा तेषां नामानि लिखत।

प्र.4 अधोलिखितयोः एकस्य प्रश्नस्य सविस्तरं व्याख्या कुरूत? 16

अ) ब्रह्मपुराणस्य धार्मिक एवं च सामाजिकमहत्वं प्रतिपादनीयम्।

ब) पुराणस्य प्रतिपाद्यविषयः किम् इति सविस्तरं लिखत।

प्र.5 महापुराणानां नामानि लिखित्वा भागवत्पुराणस्य परिचयो लेख्यः? **16**

SLR-CT-3

Seat No.	

Set P

M.A. (Sanskrit) (Semester - I) (CBCS) Examination: Oct/Nov-2022
भारतीय दर्शन (सामान्य परिचय) (न्याय, वैशेषिक, सांख्य, योग, चार्वक, बौध्द, जैन, पूर्वमीमांसा, उत्तरमीमांसा इ.)

Day & Date: Wednesday, 15-02-2023 Max. Marks: 80
Time: 03:00 PM To 06:00 PM

सूचना : 1) सर्व प्रश्न अनिवार्य आहेत.
2) उजवीकडील अंक पूर्ण गुण दर्शवितात.

प्र.1 उचितं पर्यायं चीत्वा वाक्यं पुनर्लिखत। 16

1) आस्तिकदर्शनम् अस्ति ———।
अ) सांख्यदर्शनम् ब) जैनदर्शनम्
क) बौद्धदर्शनम् ड) चार्वाकदर्शनम्

2) 'सांख्य' शब्दस्य दार्शनिकम् अभिप्रायमस्ति ———।
अ) आख्यानविशेषः ब) संख्यासम्मताख्यानविशेषः
क) सम्यक ख्यानम् ड) संपूर्णम् आख्यानम्

3) 'सांख्य' शब्दस्य निष्पत्तीमूलकधातुरस्ति ———।
अ) सांख्ञ् ब) चक्षिञ्
क) ख्यानम् ड) ष्यञ्

4) 'संख्या चर्चा विचारणा' इति कस्य वचनमस्ति?
अ) शंकराचार्यस्य ब) ह्लायुधस्य
क) शब्दानुशासनस्य ड) अमरकोशस्य

5) वेदान्तसर–ग्रंथस्य प्रणेता कः?
अ) कणादः ब) सुरेश्वराचार्य
क) वाचस्पतिमिश्रः ड) योगींद्रसदानन्द

6) वैशेषिकदर्शनस्य प्रणेता कः?
अ) महर्षिवाचस्पतिमिश्रः ब) योगींद्रसदानन्दः
क) महर्षि कणादः ड) माधवाचार्यः

7) सांख्यकारिकायाः प्रणेता कः?
अ) कपिलमुनिः ब) ईश्वरकृष्णः
क) कर्दमऋषिः ड) श्रीकृष्णः

8) अस्ति सत्कार्यवादः ———।
अ) जायते ब) अस्ति
क) सर्वसम्भवाभावात् ड) सर्वम्

9) तर्कसंग्रहः कीदृशः ग्रन्थः अस्ति?

अ) प्रकरणम् ब) व्यायोगः

क) समवकार ड) डीमः

10) किं नाम ''धर्मविचारशास्त्रम्''?

अ) वेदान्तः ब) मीमांसा

क) मनुस्मृतिः ड) सांख्यशास्त्रम्

11) जैन दर्शनस्य प्रणेता ––– अस्ति।

अ) चार्वाकः ब) ऋषभदेवः

क) आर्य चाणक्यः ड) आचार्य दण्डी

12) न्यायदर्शनस्य प्रवर्तकः ––––।

अ) महर्षि गौतमः ब) महर्षि व्यासः

क) आचार्य क्षेमेन्द्रः ड) कवि भासः

13) योगदर्शनस्य प्रवर्तकः –––।

अ) आद्य शङ्कराचार्यः ब) महर्षि पतञ्जलिः

क) महर्षि विश्वामित्रः ड) महर्षिकण्वः

14) पूर्व मिमांसा दर्शनाचे प्रवर्तक ––– आहेत.

अ) आचार्य जैमिनी ब) आचार्य शूद्रक

क) आचार्य कौण्डिन्य ड) आचार्य नागेशः

15) ''––– कर्मसु कौशलम्।''

अ) वेदः ब) ज्ञानम्

क) योगः ड) ध्यानम्

16) वेदांचा अन्तिम भाग होय.

अ) वेदांग ब) उत्तरमिमांसा

क) शिक्षा ड) कल्प

प्र.2 टिप्पणीं लिखत।(केवलं चार) **16**

1) दर्शन

2) पुद्गल

3) मोक्ष

4) प्रकृति

5) अष्टांग योग

6) आर्यसत्य

प्र.3 विस्तरेण स्पष्टी कुरूत (केवलं दो) **16**

1) योगदर्शन

2) न्यायदर्शन

3) मीमांसादर्शन

4) जैन दर्शन

प्र.4 कस्यचिद् एकस्य समाधानं देयम्। **16**

1) आस्तिक दर्शनातील तत्वज्ञान
2) नास्तिक दर्शनातील तत्वज्ञान

प्र.5 भारतीय दर्शनांचे मानवी जीवनातील महत्व स्पष्ट करा. **16**

SLR-CT-5

Seat No.	

Set P

M.A. (Sanskrit) (Semester - I) (CBCS) Examination: Oct/Nov-2022
वैज्ञानिक साहित्य – आयुर्वेद

Day & Date: Thursday, 16-02-2023 Max. Marks: 80
Time: 03:00 PM To 06:00 PM

सूचना : 1) सर्व प्रश्न अनिवार्य आहेत.
2) उजवीकडील अंक पूर्ण गुण दर्शवितात.

प्र.1 उचित पर्यायं चित्वा वाक्यं पुनर्लिखत। **16**

1) त्वचासौन्दर्य स्थिर ठेवण्यासाठी ––– आवश्यक.
अ) त्रिदोष ब) ज्ञान
क) अभ्यङ्ग ड) साधने

2) बलवान आणि स्निग्ध भोजन करणाऱ्याने ––– ऋतूमध्ये व्यायाम करावा.
अ) हेमन्त–शिशिर ब) शरद–ग्रीष्म
क) वसंत–वर्षा ड) वैशाख–श्रावण

3) सस्नेहतीक्ष्णोष्णं –––।
अ) शरीरम् ब) पित्तम्
क) तिक्तम् ड) द्रवम्

4) दर्शनस्पर्शनैः परिक्षत् –––।
अ) वैद्यम् ब) रोगिणम्
क) औषधम् ड) परिचारकम्

5) ––– कफहरम्।
अ) कफः ब) उद्वर्तनम्
क) पित्तम् ड) पेशलम्

6) अतिव्यायामामुळे ––– चा विकार होतो.
अ) तृष्णा ब) अजीर्ण
क) वृद्धत्व ड) श्वासरोग

7) ––– मुळे जठराग्नि प्रदप्त होतो.
अ) व्यायामामुळे ब) औषधामुळे
क) परिचारकामुळे ड) ज्ञानामुळे

8) ''अष्टांगहृदयम्'' ग्रन्थातील दुसऱ्या अध्यायाचे नाव ––– आहे.
अ) आत्मपरिक्षाध्याय ब) दिनचर्याध्याय
क) सूत्राध्याय ड) शारीराध्याय

9) ——— ऋतूमध्ये शीपदार्थांचे सेवन करावे.
अ) शिशिर | ब) हेमंत
क) ग्रीष्म | ड) वर्षा

10) पित्तस्य स्थानं ———।
अ) हृदयम् | ब) आमाशयः
क) शीर्ष | ड) हस्त

11) त्वचासौन्दर्य स्थिर ठेवण्यासाठी ——— आवश्यक.
अ) त्रिदोष | ब) ज्ञान
क) अभ्यङ्ग | ड) साधने

12) ''अष्टागहृदयस्य'' रचना ——— इत्यनेने कृता।
अ) चरकः | ब) सुश्रुत
क) वाग्भटः | ड) आत्रेयः

13) ——— हे आयुर्वेदाचे अंग आहे.
अ) आयुषः | ब) वास्तूशास्त्र
क) कायचिकित्सा | ड) धर्मशास्त्र

14) पूर्व मिमांसा दर्शनाचे प्रवर्तक ——— आहेत.
अ) आचार्य जैमिनी | ब) आचार्य शूद्रक
क) आचार्य कौण्डिन्य | ड) आचार्य नागेशः

15) ''——— कर्मसु कौशलम्।''
अ) वेदः | ब) ज्ञानम्
क) योगः | ड) ध्यानम्

16) वेदांचा अन्तिम भाग ——— होय.
अ) वेदांग | ब) उत्तरमिमांसा
क) शिक्षा | ड) कल्प

प्र.2 टिप्पणी लिखत। (केवल 4) **16**

अ) अभ्यंग
ब) सौवीर अंजन
क) नस्य
ड) दंतधावन
इ) शिशिर ऋतूचर्या
ई) कफ

प्र.3 विस्तरेण स्पष्टीकुरूत। केवलं 2 **16**

अ) आयुर्वेदाची आठ अंगे
ब) त्रिदोष
क) वर्षा ऋतूतील ऋतूचर्या
ड) सहा ऋतूतील नियम

प्र.4 कस्यचिद् एकस्य समाधानं देयम्।

अ) ''दोषभेदीय'' अध्यायाचे रसग्रहण करा. **16**

ब) ''ऋतुचर्या'' अध्यायाचे रसग्रहण करा.

प्र.5 आधुनिक काळातील आयुर्वेदीय महत्व सांगा. **16**

SLR-CT-10

Seat No.	

Set P

M.A. (Sanskrit) (Semester - I) (CBCS) Examination: Oct/Nov-2022
वक्रोक्तिजीवितम

Day & Date: Friday, 17-02-2023 Max. Marks: 80
Time: 03:00 PM To 06:00 PM

सूचना : 1) सर्व प्रश्न अनिवार्य आहेत.
2) उजवीकडील अंक पूर्ण गुण दर्शवितात.

प्र.1 योग्यं पर्यायं चित्वा वाक्यं पुनर्लिखत। **16**
योग्य पर्याय निवडून वाक्य पुन्हा लिहा.

1) ––– आचार्यः वक्रोक्तिं एव काव्यस्य आत्मा मनुते।
अ) वामनः ब) कुन्तकः
क) दण्डी ड) भट्टलोल्लटः

2) वर्णविन्यासः इति ––– अलंकारस्य भेदः विद्यते।
अ) यमक ब) उपमा
क) वक्रोक्ति ड) रुपक

3) अधोलिखितेषुवक्रोक्तेः ––– भेदः नास्ति।
अ) धात्वाश्रित ब) प्रकरण
क) प्रत्ययाश्रित ड) पदपूर्वार्ध्द

4) कठोर ह्रदयः रामोऽस्मि 'इति उदाहरणं ––– भवति।
अ) वक्रोक्तेः ब) यमकस्य
क) रुपकस्य ड) उपमायाः

5) मैथिली तस्य दाराः 'इति उदाहरणं ––– भवति।
अ) पर्यायवक्रतायाः ब) संख्यावै़चित्रस्य
क) प्रबन्धस्य ड) रुपकस्य

6) वक्रभावः प्रकरणे ––– वास्ति यादृशः।
अ) पर्यायवक्रतायाः ब) संख्यावै़चित्रस्य
क) प्रबन्धे ड) रुपकस्य

7) व्यापारशाली वाक्यस्य विन्यासः ––– उच्यते।
अ) बन्धः ब) दग्धः
क) अभिधा ड) लक्षणा

8) कुनतकानुसारं काव्यस्य ––– मार्गाः भवन्ति।
अ) पंच ब) दश
क) त्रयः ड) षड्

9) आचार्यकुन्तकानुसारं काव्यमार्गे ––– गणना न भवति।
अ) सुकुमार ब) विचित्र
क) मध्यम ड) ओजतमः

10) अम्लानप्रतिभोद्भिन्नवशब्दार्थ बन्धुरः 'इति लक्षणं ——— भवति।

अ) प्रसादस्य ब) सुकुमारस्य

क) विचित्रस्य ड) माधुर्यस्य

11) रसवक्रोक्ति विषयं यत् ——— स कथ्यते।

अ) प्रसादः ब) ओजः

क) माधुर्यं ड) वैदर्भी

12) ——— सुकुमारस्य मार्गस्य प्रथमो गुणः।

अ) प्रसादस्य ब) माधुर्यस्य

क) ओजस्य ड) पांचालेः

13) खड्गधारापथेनेव सुभटानां मनोरथाः इति उदाहरणं ——— अस्ति।

अ) सुकुमारस्य ब) विचित्रस्य

क) मध्यमस्य ड) वक्रोक्ते

14) वक्रोक्ति जीवित काव्ये ——— उन्मेषाः सन्ति।

अ) 04 ब) 06

क) 08 ड) 10

15) अधोलिखितेषु बहुव्रीहिः समासः ——— पदे–अस्ति।

अ) उपमा ब) वक्रोक्ति

क) राजपुरुष ड) यथाशक्ति

16) पदपूर्वाध्द वक्रताचे ——— भेद आहेत.

अ) 07 ब) 05

क) 09 ड) 08

प्र.2 अधोलिखितेषु चतस्रः टिप्पण्यः लिखत? **16**

टिपा लिहा. फक्त 4

1) वक्रोक्तिः।
2) पदपूवार्ध्दवक्रोक्ति।
3) पदपरार्ध्दवक्रोक्ति।
4) त्रिमार्गाः।
5) प्रबन्धवक्रता।
6) काव्यलक्षणम्।

प्र.3 आोलिखितेषु द्वयोः व्याख्यां कुरूत? **16**

1) वाच्यवाचक सौभाग्य लावण्यपरिपोषकः। व्यापारशाली वाक्यस्य विन्यासो बन्ध उच्यते।
2) सम्प्रति तत्र ये मार्गाः कविप्रस्थानहेतवः सुकुमारो विचित्रश्च मध्यमश्चोभयात्मकः।।
3) भावस्वभावप्राधान्यन्यक्कृताहार्यकौशल्यः। रसादिपरमार्थज्ञमनः संवादसुन्दरः।
4) अलंकारस्य कवयो यत्रालंकारणान्तरम्। असन्तुष्ठा निबध्नन्ति हारादेर्मणिबन्धवत्।।

प्र.4 अधोलिषितेषु द्वयोः व्याख्यां कुरूत? **16**

आचार्यकुन्तकानुसारं काव्यप्रयोजनं लिखत।

किंवा

वक्रोक्तिजीवितम् काव्यस्य परिचयो लेख्यः।

प्र.5 आचार्यकुन्तकस्य सविस्तरं परिचयः लेखनीयः? **16**

Seat No.	

Set P

M.A. (Sanskrit) (Semester - II) (New) (CBCS) Examination: Oct/Nov-2022
वेदांग

Day & Date: Monday, 20-02-2023 Max. Marks: 80
Time: 11:00 AM To 02:00 PM

सूचना : 1) सर्व प्रश्न अनिवार्य आहेत.
2) उजवीकडील अंक पूर्ण गुण दर्शवितात.

प्र.1 उचित पर्यायं चीत्वां वाक्यं पुनर्लिखत। **16**

1) एकूण ——— वेदांगे आहेत.
अ) पाच ब) चार
क) तीन ड) सहा

2) शिक्षा ——— तूवेदस्य।
अ) घ्राण ब) नासिका
क) हस्त ड) शीर्ष

3) अकुहविसर्जनियानां ———।
अ) मूर्धा ब) कण्ठम्
क) तालुः ड) हस्तम्

4) शिक्षा नावाचे एक ——— आहे.
अ) वेदांग ब) शासन
क) यंत्र ड) वरील सर्व

5) शिक्षा शास्त्राचा मुख्य प्रतिपाद्य विषय शास्त्रशुद्ध ——— आहे.
अ) संधी ब) वर्णोच्चार
क) समास ड) व्युत्पत्ती

6) ——— स्थानानिवर्णानाम्।
अ) पंच ब) सप्त
क) अष्टौ ड) त्रीणि

7) ऋटूरपाणां ———।
अ) उपमा ब) मूर्धा
क) तालुः ड) कण्ठः

8) ''अ'' वर्णाचे उच्चारणस्थान ——— आहे.
अ) मुख ब) शीर्ष
क) कंठ ड) जिहवा

9) स्पृष्टम्प्रयत्नं –––।
अ) शब्दानाम् ब) पदानाम्
क) वाक्यानाम् ड) स्पर्शानाम्

10) ध्वनिःविभागः ––– स्मृतः।
अ) चतुर्विधा ब) त्रिविधः
क) द्विविधः ड) पञ्चधा

11) लृतुलसानां –––।
अ) शब्दाः ब) दन्ताः
क) कालः ड) प्रयत्नम्

12) ––– बुध्यासमेत्यार्थान्मनोयुङ्क्तेविवक्षया।
अ) आत्मा ब) शब्दः
क) वाक्य ड) मारूतः

13) 'य' वर्णस्यउच्चारणस्थानं –––।
अ) तालुः ब) दन्ताः
क) नासिका ड) आत्मा

14) 'ट' वर्णस्य उच्चारणस्थानम् ––– अस्ति।
अ) तालुः ब) मूर्धा
क) दन्त्यः ड) ओष्ठयम्

15) स्पृष्टंएदौतोः –––।
अ) कण्ठोष्ठयम् ब) जिहवामूलम्
क) कण्ठतालुः ड) दन्तोष्ठयम्

16) ध्वनिशास्त्रस्यअपरनाम –––।
अ) शिक्षाशास्त्रम् ब) खगोलशास्त्रम्
क) विमानशास्त्रम् ड) पुराशास्त्रम्

प्र.2 टिप्पणीं लिखत। (केऽपि चार) **16**

अ) अधमपाठकस्य दोषाः
ब) उत्तमपाठकस्य दोषाः
क) शिक्षाशास्त्र
ड) वर्णसंख्या
इ) महर्षि पाणिनिः
ई) रङ्गवर्णः

प्र.3 ससंदर्भ उत्तरं लिखत (केऽपि दोन) **16**

अ) शिक्षा घ्राणं तु वेदस्य।
ब) आत्मा बुद्ध्या समेत्यार्थान् मनो युङ्कते विवक्षया।
क) वर्णाञ् जनयते तेषां विभागः पञ्चधा स्मृतः।
ड) अष्टौ स्थानानि वर्णानाम्।

प्र.4 **अ)** पाणिनीय शिक्षायाः रसग्रहणं कुरूत। **16**

अथवा

ब) शिक्षाशास्त्रं स्पष्टीकुरूत।

प्र.5 पाणिनीय शिक्षया उच्चारणं स्पष्टीकुरूत। **16**

Seat No.	

Set P

M.A. (Sanskrit) (Semester - II) (New) (CBCS) Examination- Oct/Nov-2022
नाटक

Day & Date: Tuesday, 21-02-2023 Max. Marks: 80
Time: 11:00 AM To 02:00 PM

सूचना : 1) सर्व प्रश्न अनिवार्य आहेत.
2) सर्व प्रश्नांची उत्तरे एकाच उत्तर पत्रिकेत लिहावीत.

प्र.1 योग्य पर्यायं चिनुत? **16**

1) मुद्राराक्षसे मुख्यरूपेण प्रयुक्तः ––– रसः विद्यते।
अ) वीर ब) श्रृगांर
क) अद्भुत ड) रौद्र

2) विशाखादत्तस्य कृतिः ––– विद्यते।
अ) निरूक्तम् ब) पंचतन्त्रम्।
क) मुद्राराक्षसम् ड) मृच्छकटिकम्

3) विशाखादत्तस्य पितुः नाम किम् अस्ति?
अ) देवदत्तः ब) यज्ञदत्तः
क) भानुदत्तः ड) भास्करदत्तः

4) मुद्राराक्षसे ––– अङ्का सन्ति।
अ) 04 ब) 05
क) 07 ड) 08

5) मुद्राराक्षसस्य द्वितीयस्य अंकस्य नाम विद्यते?
अ) भूषणविक्रय ब) कृतककलह
क) मुद्रालाभ ड) राज्यप्राप्ति

6) श्रीवटेश्वरदत्तः कस्य पितामह–आसीत्?
अ) व्यासस्य ब) याकस्य
क) भानुदत्तस्य ड) विशाखादत्तस्य

7) अत्यादरः शङ्कनीयः इति उक्तिः कस्य विद्यते?
अ) भागुरायणस्य ब) चाणकस्य
क) चन्दनदासस्य ड) शोणोत्तरायाः

8) मुद्राराक्षसानुसारं राक्षसः ––– गृहीतः।
अ) युद्धेन ब) मुद्रयाः
क) असीना ड) कलहेन

9) खालिलपैकी राजनीति विषयक ––– ग्रन्थ आहे.
अ) मुद्राराक्षसम् ब) शिशुपालवधम्
क) कर्णभारम् ड) स्वप्नवासदत्तम्

10) मुद्राराक्षसे 'सर्वः सर्वं न जानाति' इति उक्तिः कस्य अस्ति?

अ) भागुरायणस्य	ब) चाणकस्य
क) निपुणकस्य	ड) शोणोत्तरायाः

11) मुद्राराक्षसस्य मंगलाचरणे प्रयुक्तः ––– छन्दः विद्यते।

अ) स्रग्धरा	ब) मालिनी
क) अनुष्टुप्	ड) वंशस्थ

12) चाणक्यस्य अपरं नाम ––– अस्ति।

अ) विष्णुदत्त	ब) विष्णुमित्र
क) विष्णुगुप्त	ड) विष्णुभदन्त

13) मुद्राराक्षसम् इत्यत्र ––– समासः अस्ति।

अ) तृतीया तत्पुरूष	ब) बहुव्रीहि
क) अव्ययीभाव	ड) द्वन्द्व

14) कृतककलह इति ––– अंकस्य नाम विद्यते।

अ) प्रथम	ब) द्वितीय
क) तृतीय	ड) पंचम

15) चन्द्रगुप्तस्य द्वारपालस्य ––– नाम आसीत्।

अ) बलगुप्त	ब) शोणोत्तरा
क) विजया	ड) भार्गव

16) मुद्राराक्षसानुसारं 'कुटुम्बिनी' का आसीत्?

अ) चन्दनदासस्य पत्नी	ब) द्वारपाल
क) मन्त्री	ड) राक्षसस्य पत्नी

प्र.2 अधोलिखितेषु चतस्त्रः टिप्पण्यः लिखत? **16**

1) निपुणकः।
2) विराधगुप्तः।
3) प्रथमांकस्य सारः।
4) भागुरायणः।
5) चन्द्रगुप्तः।
6) मलयकेतुः।

प्र.3 अधोलिखितेषु द्वयों ससन्दर्भ व्याख्यां कुरूत? **16**

1) अप्राज्ञेन च कातरेण च गुणः स्याद् भक्तियुक्तेन कः, प्रज्ञाविक्रमशालिनोपि हि भवेत्किं भक्तिहीनात्फलम्। प्रज्ञाविक्रमभक्तयः समुदिता येषां गुणा भुतये, ते भुत्या नृपतेः कलत्रमितरे संपत्सु चापत्सु च।।

2) पुरूषस्य जीवितव्यं विषमाद् भवति भक्तिगृहीतात्। मारयति सर्वलोकं यस्तेन यमेन जीवामः।।

3) चाणक्येनाकरूणेन सहसां शब्दायितस्यापि जनस्य। निदोर्षस्यापि शंका किं पुनर्मम जातदोषस्य।।

4) नन्दकुलकालभुजगीं कोपानलबहुलनीलधूमलताम्। अद्यापि बध्यमानां वध्यः को नेच्छति शिखां मे।।

प्र.4 मुद्राराक्षसस्य नामकणविषये विशाखादत्तस्य मतं लिखत? **16**

अथवा

मुद्राराक्षसस्य प्रकृति–चित्रणस्य वर्णनं कुरूत?

प्र.5 मुद्राराक्षसकालीन धार्मिक–राजनैतिकस्थित्याः सविस्तरं वर्णनं कुरूत? **16**

SLR-CT-14

Seat No.	

Set P

M.A. (Sanskrit) (Semester - II) (New) (CBCS) Examination- Oct/Nov-2022
व्याकरण

Day & Date: Wednesday, 22-02-2023 Max. Marks: 80
Time: 11:00 AM To 02:00 PM

सूचना : 1) सर्व प्रश्न अनिवार्य आहेत.
2) सर्व प्रश्नांची उत्तरे एकाच उत्तर पत्रिकेत लिहावीत.

प्र.1 योग्य पर्यायं चिनुत? **16**

1) कर्त्यानुसार जेव्हा क्रियापद वापरले जाते तेव्हा त्या वाक्यप्रयोगाला ——— म्हणतात.
अ) कर्तरी ब) कर्मणि
क) विध्यर्थ ड) आज्ञार्थ

2) वाक्यामध्ये कर्मप्रधान असणाऱ्या वाक्यप्रयोगाला ——— प्रयोग म्हणतात.
अ) कारक ब) कर्मणि
क) भावे ड) नाट्य

3) ''यः क्रियां करोति सः ———।''
अ) कर्म ब) कारकः
क) क्रियापदम् ड) धातुः

4) कर्म नसणाऱ्या वाक्यप्रयोगाला ——— प्रयोग म्हणतात.
अ) सकर्मक ब) भावे
क) कर्मणि ड) क्रियायुक्त

5) 'रामेण फलं खद्यते'' हे ——— प्रयोगाचे वाक्य आहे.
अ) शब्दसमूह ब) कर्तरी
क) कर्मणि ड) सर्व

6) व्याक्रियन्ते अनेन इति ———।
अ) व्याकरणम् ब) वेदाङ्गूम्
क) शास्त्रम् ड) व्याख्यानम्

7) ——— व्याकरणशास्त्राचा ग्रन्थ.
अ) दशकुमारचरितम् ब) लीलावती
क) अष्टाध्यायी ड) किरणावली

8) शेषे ———।
अ) पञ्चमी ब) तृतीया
क) द्वितीया ड) षष्ठी

9) अपादाने ———।
अ) पञ्चमी ब) तृतीया
क) द्वितीया ड) षष्ठी

10) ‘इको यणचि’’ हे ––– संधिचे सूत्र आहे.
   अ) यण सन्धि   ब) हल् सन्धि
   क) अच् सन्धि   ड) विसर्ग सन्धि

11) अच् म्हणजे ––– होय.
   अ) व्यञ्जन   ब) स्वर
   क) वाक्य   ड) विसर्ग

12) ‘साधनासाठी’ ––– हे कारक वापरतात.
   अ) कर्ता   ब) करण
   क) संप्रदान   ड) संबंध

13) हल् म्हणजे ––– होय.
   अ) व्यञ्जन   ब) वर्ण
   क) सूत्र   ड) अनुनासिक

14) आधारासाठी ––– ही विभक्ती
   अ) तृतीया   ब) प्रथमा
   क) सत्पमी   ड) द्वितीया

15) अपदानाची ––– ही विभक्ती होते.
   अ) तृतीया   ब) प्रथमा
   क) पञ्चमी   ड) द्वितीया

16) प्रथमा विभक्तिचे ––– हे कारक आहे.
   अ) संबन्ध   ब) आपादान
   क) कर्ता   ड) कर्म

प्र.2 टिप्पणीं लिखत। (केऽपि4) **16**

1) विसर्गसन्धिः
2) सम्प्रदानकारकम्
3) महर्षि पाणिनी
4) आचार्य आपिशली
5) आचार्य स्फोटायन
6) व्यंजनसन्धिः

प्र.3 ससंदर्भ उत्तरं लिखत। (केऽपि4) **16**

1) स्तोः श्चुना श्चुः।
2) झरो झरि सवर्णे।
3) चतुर्थी सम्प्रदाने।
4) अपादाने पंचमी।

प्र.4 संस्कृत – व्याकरणकारानां व्याकरणशास्त्रे योगदानं लिखत। **16**

अथवा

महर्षिपाणिनीनां व्याकरणं स्पष्टीकुरूत।

प्र.5 व्याकरणशास्त्रस्य आधुनिककाले महत्वं स्पष्टीकुरूत। **16**

SLR-CT-16

Seat No.	

Set P

M.A. (Sanskrit) (Semester - II) (New) (CBCS) Examination Oct/Nov-2022
वैज्ञानिक साहित्य निरुत्वक्म 1.2 अध्याय

Day & Date: Thursday, 23-02-2023 Max. Marks: 80
Time: 11:00 AM To 02:00 PM

सूचना : 1) सर्व प्रश्न अनिवार्य आहेत.
2) सर्व प्रश्नांची उत्तरे एकाच उत्तर पत्रिकेत लिहावीत.

प्र.1 योग्य पर्यायं चिनुत? 16

1) वेदांगेषु निरूक्तं ––– रूपेण प्रतिष्ठितंम् अस्ति।
अ) श्रोत्र ब) पाद
क) मुख ड) जिह्वा

2) यास्कानुसारं 'भावप्रधानम्' इति कस्य लक्षणम् अस्ति?
अ) नाम्नः ब) उपसर्गस्य
क) आख्यातस्य ड) निपातस्य

3) यास्कमते पदजातानि ––– सन्ति।
अ) 06 ब) 04
क) 08 ड) 03

4) यास्कमते 'सत्वप्रधानानि' –––।
अ) आख्यातजानि ब) उपसर्ग
क) निपात ड) नामानि

5) अधोलिखितेषु एकः ––– भावविकारः नास्ति।
अ) भवति ब) अस्ति
क) विनश्यति ड) वर्द्धते

6) निरूक्ते ––– अध्यायाः सन्ति।
अ) 15 ब) 20
क) 12 ड) 10

7) यास्कानुसारं 'भावविकाराः' ––– भवन्ति।
अ) 07 ब) 06
क) 04 ड) 05

8) यास्कस्य अपरं नाम ––– अस्ति।
अ) पाराशरः ब) पारस्करः
क) भार्गवः ड) द्वैपायनः

9) आहननादेव स्युः इति ––– मतम् अस्ति।
अ) औपमन्योः ब) पाणिनेः
क) शाकटायनस्य ड) भार्गवस्य

10) निघण्टौ ——— अध्यायाः सन्ति।

अ) 02 ब) 20

क) 05 ड) 09

11) देवतानां स्थानानि ——— ग्रन्थे वर्णितानि सन्ति।

अ) पाणिनीयव्याकरण ब) पुराण

क) निरूक्त ड) शिक्षाशास्त्रे

12) वाक्य में नाम एवं आख्यात दोनों का प्रयोग होने पर दोनों में प्रधान कौन होता है?

अ) नाम ब) आख्यात

क) दोनों ही ड) कोई नही

13) यास्कमते 'समाम्नातः' शब्दस्य कः अर्थः भवति?

अ) सम्यक् ब) सम्मिलितं

क) संकलितं ड) उपर्युक्तं नास्ति

14) निरूक्तानुसारं 'निगम' शब्दस्य ——— अर्थः भवति।

अ) ज्ञानम् ब) गमनम्

क) पुराणम् ड) वेदः

15) चतुर्षु पदेषु 'आख्याते' ——— ग्रहणं भवति।

अ) देवदत्तः ब) पिबति

क) सीम् ड) परा

16) अधोलिखितेषु 'उपसर्गशब्दः' ———अस्ति।

अ) देवदत्तः ब) पिबति

क) दुर् ड) सीम्

प्र.2 अधोलिखितेषु चतस्रः टिप्पण्यः लिखत? **16**

1) निघण्टुः।
2) पदम्।
3) निरूक्तं पंचविधं लक्षणम्।
4) अव्ययम्।
5) निपाताः।
6) चित्शब्दः।

प्र.3 अधोलिखितेषु द्वयोः ससन्दर्भ व्याख्यां कुरूत? **16**

1) न निर्बद्धा उपसर्गा अर्थान्निराहुरिति शाकटायनो नामाख्यातयोस्तु कर्मोपसंयोगद्योतका भवन्ति। उच्चावचाः पदार्था भवन्तीति गार्ग्यः।
2) 22 उपसर्गाणां नामानि लिखित्वा तेषां अर्थः लेखितव्यः?
3) न नूनमस्ति नो श्वः कस्तद्वेद यदद्भुतम्। अन्यस्य चित्तमभि संचरेण्यमुताधीतं विनश्यति।
4) नूनं सा ते प्रति वरं जरित्रे दुहीयादिन्द्र दक्षिणा मघोनी। शिक्षा स्तोतृभ्यो माति धग्भगो नो बृहद्वदेम विदथे सुवीराः।

प्र.4 यास्कमतानुसारं कर्मोसंग्रहं सोऽदाहरणं स्पष्टं कुरूत? **16**

अथवा

निरूक्तकारयास्कस्य जीवनपरिचयं लिखत?

प्र.5 यास्कमतानुसारं 'नामाख्यतयोः' लक्षणं लिखित्वा सोऽदाहरणं सविस्तरं वर्णयत्? **16**

Seat No.	

Set P

M.A. (Sanskrit) (Semester - III) (New) (CBCS) Examination: Oct/Nov-2022
भाषाशास्त्रम् (Linguistics)

Day & Date: Monday, 13-02-2023 Max. Marks: 80
Time: 11:00 AM To 02:00 PM

सूचना : 1) सर्वप्रश्नाः सामाधेयाः।
1) All questions are compulsory.
2) सर्वप्रश्नानां उत्तराणि एकैव उत्तरपत्रे समाधेयाः।
2) Answer to all questions should be written I in one the same answer sheet.

प्र.1 योग्यं पर्यायं चित्वा वाक्यं पुनर्लिखत। **16**

1) वैज्ञानिक–सांस्कृतिकदृष्टया समृध्दभाषापरिवारः ––– अस्ति।
 अ) चीनीपरिवारः ब) भारोपीयपरिवारः
 क) अमरीकीपरिवारः ड) द्राविडपरिवारः

2) व्यवसितम् (पदिमः) अस्ति –––।
 अ) निपातः ब) भाषापरिवारः
 क) अर्थः ड) ध्वनिः

3) पदविज्ञानविषयकः प्राचीनतमः ग्रन्थः –––।
 अ) पदार्थविज्ञानम् ब) काव्यप्रकाशः
 क) निरूक्तम् ड) ध्वन्यालोकः

4) भारत–ईरानी शाखा ––– परिवारे अस्ति।
 अ) प्रशांतमहासागरीय ब) काकेशस
 क) भारोपीय ड) सेमेटिक

5) आख्यातशब्दः वाक्यम् इति ––– उक्तम्।
 अ) पतंजलिना ब) भर्तृहरिणा
 क) पाणिनिना ड) कात्यायानेन

6) Syntax इत्युक्ते ––– नाम।
 अ) वाक्यरचना ब) अर्थविचारः
 क) ध्वनिविचारः ड) भाषापरिवारः

7) ––– शृंगाणि।
 अ) त्रीणि ब) नवानि
 क) चत्वारि ड) किमपि न

8) एकाक्षरी भाषा अस्ति –––।
 अ) संस्कृतम् ब) चीनी
 क) तिब्बती ड) तुलुगु

9) ——— वेदाङ्गे ध्वनिविज्ञानस्य विवेचना दारीदृश्यते।

अ) व्याकरणवेदाङ्गे   ब) शिक्षावेदाङ्गे
क) तंत्रवेदाङ्गे   ड) सर्वत्र

10) ——— कारकमस्ति।

अ) अर्थः   ब) सम्बन्धः
क) सम्प्रदानम्   ड) शब्दः

11) शतम् विभागे ——— भाषा अस्ति।

अ) जपानी   ब) चीनी
क) मलयालमः   ड) संस्कृतम्

12) संस्कृतवाङ्मये भाषासंबंधी प्राचीनतमः ग्रन्थः ——— अस्ति।

अ) प्रातिशाख्यम्   ब) पाणिनीयशिक्षा
क) कल्पसूत्रम्   ड) थ्नरूक्तम्

13) भारोपीय भाषा अस्ति—

अ) तमिलः   ब) कन्नडः
क) लैटीन   ड) तुलुगू

14) अर्थनिश्चिती तत्त्वम् ——— अस्ति।

अ) संयोगः   ब) अर्थः
क) शब्दः   ड) वर्णः

15) ——— व्यवसितं अस्ति।

अ) समासः   ब) स्वरः
क) अर्थम्   ड) कारकः

16) ''भीमार्जुनौ'' इति ———।

अ) वाक्यम्   ब) साहचर्यम्
क) संनिधिः   ड) आकाङ्क्षा

प्र.2 टिप्पणीं लिखत। (केवलं 4) **16**

1) आगमव्यवसितम्
2) भाषाशास्त्रस्य अध्ययनपध्दतयः
3) भाषालिपिर्मध्ये भेदाः
4) पाणिनीयभाषाशास्त्रम्
5) स्थानमूलक वाक्यरचना
6) साहित्यशास्त्रस्य वाक्यसंकल्पना

प्र.3 स्पष्टीकुरुत। (केवलं 2) **16**

1) अर्थनिश्चिती तत्त्वानि
2) प्रत्ययप्रधानभाषा
3) भाषाशास्त्रीयदृष्टया वाक्यविचाराः
4) पाणिनीपूर्व भाषाशास्त्रविचाराः

प्र.4 कस्यचिद् एकस्य समाधानं देयम्। **16**

1) वाक्यरचनाविचाराः
2) भारतीयभाषाकुलाः

प्र.5 ‘भाषाशास्त्राणां बिन्दवः स्पष्टीकुरुत। **16**

Seat No.	

Set P

M.A. (Sanskrit) (Semester - III) (New) (CBCS) Examination: Oct/Nov-2022
काव्यशास्त्रम् ध्वन्यालोक : – प्रथम उद्योतः, काव्यप्रकाशस्थ केचन अलंकाराः

Day & Date: Tuesday, 14-02-2023 Max. Marks: 80
Time: 11:00 AM To 02:00 PM

सूचना : 1) सर्व प्रश्न अनिवार्य आहेत.
2) उजवीकडील अंक पूर्ण गुण दर्शवितात.

प्र.1 योग्य पर्यायं चिनुत। **16**
योग्य पर्याय निवडा.

1) खालीलपैकी एक ––– शब्दाचा भेद आहे.
अ) अभिधा ब) लाक्षणिक
क) लक्षणा ड) व्यंजना

2) मम्मटेन शब्दशक्तेः ––– भेदाः वर्णिताः सन्ति।
अ) 02 ब) 03
क) 04 ड) 05

3) वाचकशब्दः ––– बोधकः भवति।
अ) मुख्यार्थस्य ब) व्यंग्यस्य
क) लक्षणायाः ड) तात्पर्यस्य

4) आनन्दवर्द्धनस्य समयः ––– शताब्दी वर्तते।
अ) अष्टम ब) नवम
क) दशम ड) पंचम

5) ध्वन्यालोकस्य ––– विभाजनं विद्यते।
अ) अध्यायेषु ब) उद्योतेषु
क) काण्डेषु ड) उल्लासेषु

6) वह्निना सिंचति वाक्येऽस्मिन् ––– न्यूनता विद्यते।
अ) आकाङ्क्षायाः ब) सन्निधेः
क) योग्यतायाः ड) अभिधायाः

7) संकेतितार्थस्य ––– प्रकाराः सन्ति।
अ) चत्वारः ब) पंच
क) अष्ट ड) त्रयः

8) खालीलपैकी एक 'संकेतित' ––– अर्थ आहे.
अ) गुण ब) मित्र
क) क्रिया ड) तात्पर्य

9) काव्यप्रकाशानुसार उपाधिचे ––– भेद आहेत.
अ) दोन
ब) तीन
क) चार
ड) एक

10) मम्मटानुसारं 'लक्षणायाः ––– भेदाः सन्ति।
अ) 08
ब) 10
क) 12
ड) 06

11) 'स्वसिद्धये पराक्षेपः' हे उदाहरण ––– शब्दशक्तिचे आहे.
अ) अभिधा
ब) उपादानलक्षणा
क) व्यंजना
ड) लक्षण लक्षणा

12) नवम–उल्लासे ––– वर्णनं कृतमस्ति।
अ) शब्दालंकाराणां
ब) अर्थालंकारणां
क) गुणानां
ड) वर्णदोषाणां

13) मम्मटमते अलंकाराणां ––– संख्या विद्यते।
अ) 60
ब) 65
क) 55
ड) 67

14) मम्मटानुसार 'शब्दालंकार' ––– आहेत.
अ) 06
ब) 08
क) 05
ड) 10

15) खालीलपैकी एक ––– शब्दालंकार आहे.
अ) उपमा
ब) सृष्टि
क) शंकर
ड) यमक

16) ध्वन्यालोके अध्यायाः ––– नाम्ना उच्चार्यन्ते।
अ) प्रकाश
अ) प्रकरण
क) उद्योत
क) उल्लास

प्र.2 अधोलिखितेषु चतस्रः टिप्पण्यः लिखत? **16**

अ) अलंकारपरिभाषा।
ब) काव्यप्रयोजनम्।
क) ध्वनिलक्षणम्।
ड) रसपरिचयः।
इ) गुणपरिचयः।
ई) वक्रोक्ति–अलंकारः।

प्र.3 अधोलिखितेषु द्वयोः व्याख्यां कुरुत? **16**

अ) अर्थेसत्यर्थभिन्नानां वर्णानां सा पुनः श्रुतिः।
ब) साधर्म्युपमा भेदे।
क) मुख्यार्थबाधेतद्योगे रूढितोथप्रयोजनात्। अन्यर्थो लक्ष्यते यत् सा लक्षणारोपिता क्रिया।
ड) काव्यस्यात्मा ध्वनिः इति स्पष्टयत।

प्र.4 अधोलिखितयोः एकस्य प्रश्नस्य सविस्तरं व्याख्या कुरूत? **16**

अ) अनुप्रास–अलंकारस्य लक्षणसहितं व्याख्या कार्याः।

ब) वक्रोक्तिजीवितम् काव्यस्य मंगलाचरणस्य वर्णनं कुरूत।

प्र.5 महाकवेः आनन्दवर्द्धनस्य परिचयं लिखत? **16**

SLR-CT-21

Seat No.	

Set P

M.A. (Sanskrit) (Semester - III) (New) (CBCS) Examination: Oct/Nov-2022
अनुसन्धानप्रविधिः

Day & Date: Wednesday, 15-02-2023 Max. Marks: 70
Time: 11:00 AM To 02:00 PM

सूचना : 1) सर्वप्रश्नाः समाधेयाः।
2) सर्वप्रश्नानां उत्तराणि एकैव उत्तरपत्रे समाधेयाः।

प्र.1 उचितं पर्यायं चीत्वा वाक्यं पुनर्लिखत। **16**

1) ज्ञानस्य अन्वेषणं ––– ।
 अ) गवेषणम् ब) जीवनम्
 क) कर्तव्यम् ड) अध्ययनम्

2) ––– प्रामाणिकः भवेत्।
 अ) धनम् ब) ध्यानम्
 क) कारणम् ड) शोधः

3) प्रयोगशालायाम् ––– शोधोऽयं विधीयते।
 अ) प्रयोगात्मकशोधः ब) व्यावहारिकशोधः
 क) ऐतिहासिकशोधः ड) व्याख्यात्मकशोधः

4) गो+ईषणं –––।
 अ) निरीक्षणम् ब) परीक्षणम्
 क) अक्षरम् ड) गवेषणम्

5) ––– सावधानतया कर्तव्यम्।
 अ) कार्यम् ब) लेखनम्
 क) अनुसन्धानम् ड) चिन्तनम्

6) सत्यं ज्ञानं अनन्तं –––।
 अ) ब्रह्म ब) गभीरम्
 क) सागरम् ड) सर्वम्

7) संशोधनविषये ––– अत्यावश्यकम्।
 अ) मार्गदर्शनम्। ब) विषयनिर्वाचनम्
 क) अध्ययनम् ड) निर्दिष्टं सर्वम्

8) संशोधनपरिसरः ––– भवेत्।
 अ) प्रसङ्गानुकुलम् ब) कालानुसारम्
 क) विज्ञानानुसारम् ड) गणितानुसारम्

9) राष्ट्रस्य अतीतां घटनामाश्रित्य यः शोधः विधीयते स ––– कथ्यते।
अ) मौलिकशोधः ब) प्रयोगात्मकशोधः
क) ऐतिहासिकशोधः ड) व्यावहारिकशोधः

10) ––– उभयोः साहित्ययोः महत्वं प्रस्थापितं भवति।
अ) तुलनात्मकमध्ययनम् ब) कार्येण
क) ज्ञानेन ड) अध्ययनम्

11) तुलनीय शास्त्रस्य अन्वेषणं ––– ।
अ) तुलनात्मकशोधः ब) सर्वेक्षणात्मकशोधः
क) संज्ञापनशोधः ड) किमपि न

12) ––– पध्दत्या काव्यिकं परिशीलनं सज्जातम्।
अ) परम्परावैज्ञानिकी ब) आर्ठीकी
क) तुलनात्मिका ड) सामाजिकी

13) ––– विषये ज्ञान संपादनमावश्यकमस्ति।
अ) गृहीतविषये ब) अर्थविषये
क) तंत्रविषये ड) शास्त्रविषये

14) यः संशोधनं करोति सः –––।
अ) गृहीतकः ब) कृतीकारः
क) संशोधकः ड) सर्वकारः

15) शोधविषयः ––– भवेत्।
अ) कर्मोपयोगी ब) समाजोपयोगी
क) प्रकारोपयोगी ड) पद्धत्योपयोगी

16) ––– पाठयांशस्य मूलमुत्सं सुचयति।
अ) सूचिः ब) पादटीका
क) कृतिः ड) प्रकृति

प्र.2 टिप्पणीं लिखत। (केवलं चार) **16**

1) पादटीका
2) लेखननैपुण्यम्
3) भाषा दक्षता
4) सर्वेक्षणपध्दतिः
5) गवेषणः
6) तुलनात्मकशोधः

प्र.3 स्पष्टी कुरूत (केवलं दो) **16**

1) कालदृष्टया शोधविभाजनम्
2) समिक्षकाणां मतानुसारं शोधाः
3) गवेषकस्य आवश्यकाः गुणाः
4) विषयनिर्वाचनसमये अवधातव्याः सिध्दान्ताः

प्र.4 कस्यचिद् एकस्य समाधानं देयम्। **16**

1) विषयनिर्वाचनम्
2) शोधप्रकाराः

प्र.5 संशोधनस्य महत्ता संशोधनपद्धतयः समाधेयाः। **16**

SLR-CT-22

Seat No.	

Set P

M.A. (Sanskrit) (Semester - III) (New) (CBCS) Examination: Oct/Nov-2022
साहित्य – दशरूपकम्

Day & Date: Thursday, 16-02-2023 Max. Marks: 80
Time: 11:00 AM To 02:00 PM

सूचना : 1) सर्व प्रश्न अनिवार्य आहेत.
2) उजवीकडील अंक पूर्ण गुण दर्शवितात.

प्र.1 योग्य पर्यायं चिनुत। 16
योग्य पर्याय निवडा.

1) अधोलिखितेषु एकः ––– प्रकरणग्रन्थः विद्यते।
अ) शिवभारतम् ब) शिवराजविजयम्
क) मालतीमाधवम् ड) सौन्दर्यविजयम्

2) नाटककाव्य में प्रधान रस ––– को माना है।
अ) वीर ब) हास्य
क) रौद्र ड) शान्त

3) 'यातोऽस्मिपद्मनयनेसमयोः' उदाहरणमिदम् ––– वर्तते।
अ) प्रकरणस्य ब) भाणस्य
क) पताकयाः ड) नाटकस्य

4) ––– तदप्राप्तौव्यापारोऽतित्वरान्वितः।
अ) प्रयत्नः ब) आरम्भः
क) नियताप्तिः ड) फलागमः

5) दशरूपकानुसारं सुखागमः ––– भवति।
अ) प्रयत्नः ब) आरम्भः
क) नियताप्तिः ड) प्राप्तिः

6) दशरूपक के अनुसार 'भाण' रूपक में ––– अंक होते है।
अ) 02 ब) 01
क) 3 ड) 04

7) ––– 'रूपके' एकैव पात्रः भवति।
अ) नाटके ब) प्रकरणे
क) भाणे ड) रूपके

8) धनंजयानुसारं 'हास्यरसप्रधानं' ––– नाटकं भवति।
अ) प्रकरण ब) प्रहसन
क) भाण ड) वीथी

9) खालीलपैकी एक ——— 'डिम' काव्य आहे.

अ) मृच्छकटिक   ब) प्रकरणम

क) त्रिपुरदाह   ड) रघुवंश

10) खालीलपैकी एक ——— व्यायोग काव्य आहे.

अ) मध्यमव्यायोग   ब) त्रिपुरदाहव्यायोग

क) मृच्छकटिक   ड) किरातार्जुनीय

11) 'त्रोटक' हे ——— आहे.

अ) रूपक   ब) महाकाव्य

क) गद्यकाव्य   ड) उपरूपक

12) धनंजय के अनुसार 'नाटिका' में ——— अंक होते है।

अ) 05   ब) 04

क) 08   ड) 07

13) आचार्य धनंजय ने ——— वृत्तियां मानी है।

अ) 04   ब) 05

क) 06   ड) 10

14) अधोलिखितेषु ——— वृत्तिः विद्यते।

अ) नृत्तम्   ब) कैशिकी

क) तामसी   ड) राजसी

15) 'या वाक्प्रधाना पुरूषप्रयोज्याः' इति ——— लक्षणं विद्यते।

अ) नृत्तस्य   ब) भारतेः

क) वीररसस्य   ड) श्रृङ्गाररसस्य

16) आचार्य धनंजय के अनुसार 'शौर्य आदि से सम्बद्धित' ——— वृत्ति कहलाती है।

अ) सात्वती   ब) भारती

क) आरभटी   ड) कैशिकी

प्र.2 अधोलिखितेषु चतस्रः टिप्पण्यः लिखत? **16**

अ) दशरूपकमंगलाचारणम्।

ब) रूपकम्।

क) नाटकम्।

ड) प्रकरणम्।

इ) महाकाव्यम्।

ई) वस्तु।

प्र.3 अधोलिखितेषु द्वयोः व्याख्यां कुरूत? **16**

अ) मधुरोद्धतभेदेन तद् द्वयं द्विविधं पुनः। लास्यताण्डवरूपेण नाटकाद्युपकारकम्।

ब) अधिकारः फलस्वाम्यधिकारी च तत्प्रभुः। तन्निर्वृत्तमभिव्यापि वृत्तं स्यादाधिकारिकम्।

क) बीजबिन्दुपताकाख्यप्रकरीकार्यलक्षणः। अर्थपकृतयः पंच ता एताः परिकीर्तिताः।?

ड) अपायाभावतः प्राप्तिर्नियताप्तिः सुनिश्चिता।

प्र.4 अधोलिखितयोः एकस्य प्रश्नस्य सविस्तरं व्याख्या कुरूत? **16**

अ) दशरूपकानुसारं 'पंच–अवस्थानां वर्णन कुरूत.

ब) पताका एवं च प्रकरी इत्यत्र कः भेद इति वर्णयत.

प्र.5 दशरूपानुसारं सन्धिनां नामानि लिखित्वा मुखसन्धे सविस्तरं वर्णन कुरूत? **16**

SLR-CT-26

Seat No.	

Set P

M.A. (Sanskrit) (Semester - IV) (New) (CBCS) Examination: Oct/Nov-2022
अनुवादः संभाषण कौशल्यं च

Day & Date: Monday, 20-02-2023 Max. Marks: 80
Time: 03:00 PM To 06:00 PM

सूचना : 1) सर्व प्रश्न अनिवार्य आहेत.
2) उजवीकडील अंक पूर्ण गुण दर्शवितात.

प्र.1 उचितं पर्यायं चीत्वा वाक्यं पुनर्लिखत। **16**

1) ——— कारकाणि।
अ) पञ्च ब) त्रीणि
क) अष्ट ड) षट्

2) कर्त्याची ——— विभक्ती होते.
अ) चतुर्थी ब) पंचमी
क) प्रथमा ड) षष्ठी

3) कर्माची ——— विभक्ती होते.
अ) द्वितीया ब) चतुर्थी
क) पंचमी ड) षष्ठी

4) 'याचकाय वस्त्रं ददाति' हे वाक्य ——— कारकाचे उदाहरण आहे.
अ) कर्ता ब) कर्म
क) सम्प्रदान ड) अपादान

5) अपादान कारकाची ——— विभक्ती होते.
अ) षष्ठी ब) सप्तमी
क) संबोधन ड) पंचमी

6) स्वतः विषयी बोलताना वाक्यामध्ये क्रियापदी धातूचे ——— पुरूष उपयोजिले जाते.
अ) उत्तम ब) प्रथम
क) मध्यम ड) अव्यक्त

7) कर्त्यानुसार जेव्हा क्रियापद वापरले जाते तेव्हा त्या वाक्य प्रयोगाला ——— म्हणतात.
अ) कर्तरी ब) अकर्मक
क) अर्थ ड) शब्द

8) वाक्यामध्ये कर्मप्रधान असणाऱ्या वाक्यप्रयोगाला ——— प्रयोग म्हणतात.
अ) कर्मणि ब) शब्द
क) भावे ड) नाट्य

9) अनुवाद प्रक्रियेत ज्या भाषेतला मजकूर दुसऱ्या भाषेत आणायचा असतो, त्या भाषेला ––– म्हणतात.

अ) मूळ भाषा	ब) ज्ञान भाषा
क) प्राचीन भाषा	ड) संकेत भाषा

10) ज्या भाषेत एखादा मजकूर अनुवादित होतो त्या भाषेला ––– म्हणतात.

अ) लक्ष्य भाषा	ब) कर्म भाषा
क) शास्त्र भाषा	ड) पुरा भाषा

11) वसुदेवस्यअपत्यं –––।

अ) वासुदेवः	ब) वसु
क) वत्स	ड) वासरः

12) अच् म्हणजे ––– होय.

अ) स्वर	ब) व्यंजन
क) विसर्ग	ड) धातू

13) एका भाषेतून दुसऱ्या भाषेत होणाऱ्या अनुवादाला ––– म्हणतात.

अ) अन्यभाषिक अनुवाद	ब) अर्थानुवाद
क) विषम अनुवाद	ड) वैकल्पिक अनुवाद

14) एका भाषेतील संहिता त्याच भाषेत अनुवादित करणे म्हणजे ––– होय.

अ) समभाषिक अनुवाद	ब) अनिवार्य अनुवाद
क) भावानुवाद	ड) शास्त्रानुवाद

15) 'रमेश' हे ––– संधीचे उदाहरण आहे.

अ) विसर्ग	ब) गुण
क) हल्	ड) शब्द

16) 'तस्मै श्रीगुरवे नमः' हे ––– कारक आहे.

अ) सम्प्रदान	ब) कर्ता
क) कर्म	ड) करण

प्र.2 टिप्पणीं लिखत. (केवलं 4) **16**

1) अनुवाद
2) अनुवाद प्रकियेमध्ये गुण संधीचा उपयोग
3) अनुवाद प्रक्रियेमध्ये करण कारकाचा उपयोग
4) तद्धित
5) कृदन्त
6) अपादान कारक

प्र.3 विस्तरेण उत्तरं लिखत. (केवलं 2) **16**

1) अनुवादाचे प्रकार
2) स्वरसंधीद्वारे अनुवाद
3) व्यंजन संधींचा अनुवादातील प्रयोग
4) श्लोकांचा अनुवाद करताना विसर्ग संधी

प्र.4 संधी प्रकारांचा आधुनिक काळात अनुवाद करताना होणारा उपयोग **16**

अथवा

कारकप्रकारांचा आधुनिक काळात अनुवाद करताना होणारा उपयोग

प्र.5 अनुवादाचा वर्तमान काळात होणारा अनुवाद **16**

SLR-CT-27

Seat No.	

Set P

M.A. (Sanskrit) (Semester - IV) (New) (CBCS) Examination- Oct/Nov-2022
गीताभाष्यम् (शांकरभाष्यपरिचयः– अध्याय 12,15 तथा द्वैवत, अद्वैवत, विशिष्टाद्वैवत, द्ववैताद, शुद्धाद्वैत परिचय)

Day & Date: Tuesday, 21-02-2023 Max. Marks: 80
Time: 03:00 PM To 06:00 PM

सूचना : 1) सर्व प्रश्न अनिवार्य आहेत.
2) सर्व प्रश्नांची उत्तरे एकाच उत्तर पत्रिकेत लिहावीत.

प्र.1 रिक्तस्थानं पुरयत। **16**

1) श्रीमद्भगवद्गीता महाभारतस्य कस्मिन् पर्वाणि विद्यते?
अ) सभापर्वाणि ब) आदिपर्वाणि
क) उद्योगपर्वाणि ड) भीष्मपर्वाणि

2) शङ्करः शङ्करः साक्षाद् ––– नारायणः स्वयम्।
अ) व्यासो ब) इन्द्रो
क) माधवो ड) अर्जुनो

3) गातीभाष्यं ––– रचितमस्ति।
अ) आदिशङ्कराचार्येण ब) महर्षिवाल्मीकेन
क) कालीदासेन ड) श्रीहर्षेण

4) भारतीयसंस्कृतसाहित्यस्य सर्वश्रेष्ठो ग्रन्थः ––– महाभारतस्यैवांश।
अ) रामायणम् ब) श्रीमद्भगवद्गीता
क) मेघदूतम् ड) नलपर्वः

5) श्रीमद्भगवद्गीता केन कथितम्?
अ) अर्जुनेन ब) धृतराष्ट्रेण
क) संजयेन ड) श्रीकृष्णेन

6) श्रीमद्भगवद्गीतायाः प्रति–अध्यायस्यान्ते ––– शब्दः अस्ति।
अ) उपनिषत्सु ब) वेदेषु
क) गीतासु ड) पुराणेषु

7) नारायणः परःतथा ––– अस्ति।
अ) व्यक्तम् ब) अव्यक्तम्
क) अज्ञानम् ड) सम्भवम्

8) श्रीमद्भगवद्गीतायाम् ––– अध्यायाः सन्ति।
अ) 16 ब) 19
क) 15 ड) 18

9) ब्रहमात्मकबोधेन ––– सिध्यति नान्यथा।
अ) मोक्षः ब) ज्ञानम्
क) योगम् ड) सांख्यम्

10) धृतराष्ट्र श्रीमद्भगवद्गीता ——— वर्णितम्।
अ) अर्जुनेन ब) श्रीकृष्णेन
क) संजयेन ड) गन्धर्वेण

11) ——— संसारस्य वर्णनं वृक्षरूपेण दृश्यते।
अ) पुरूषोत्तमयोगाध्याये ब) विश्वरूपदर्शनाध्याये
क) वृक्षयोगाध्याये ड) भक्तियोगाध्याये

12) सांख्ययोगः ——— अध्याये वर्तते।
अ) 13 ब) 3
क) 2 ड) 16

13) ये भक्ता अनन्यशरणाः सन्तः त्वां यथादर्शितं ——— पर्युपासते ध्यायन्ति।
अ) ऐश्वर्यम् ब) विश्वरूपम्
क) योगः ड) शक्तिः

14) यो क्षेत्रं विजानाति सः ———।
अ) क्षेत्ररक्षकः ब) क्षेत्रपालकः
क) क्षेत्रकः ड) क्षेत्रज्ञः

15) ब्रहम वेद ——— भवति।
अ) वेदैव ब) उपनिषदैव
क) ब्रहमैव ड) पुराणैव

16) भक्तियोगो नाम ———।
अ) द्वादशोध्यायः ब) त्रयोदशोध्यायः
क) सप्तदशोध्यायः ड) अष्टादशोऽध्यायः

प्र.2 निम्नलिखितासु चतस्रः टीपण्यः लिखत। **16**

1) आद्य शंकराचार्य
2) शुभाशुभपरित्यागी
3) अक्षरतत्व
4) उत्तमः पुरूषः
5) कूटस्थ तत्व
6) ऊर्ध्वमूलमधःशाखः

प्र.3 ससंदर्भ स्पष्टीकुरूत। (कौऽपि 2) **16**

1) सर्वत्रगमाचिन्त्यं च कूटस्थमचलं ध्रुवम।।
2) तेषामहं समुद्धर्ता मृत्युसंसारसागरात्। भवामि नचिरात्पार्थ मय्यावेशितचेतसाम्।।
3) समः शत्रौ च मित्रे च तथा मानापमानयोः। शीतोष्णसुखदःखेषु समः सङ्गविवर्जितः।।
4) अनपेक्षः शुचिर्दक्ष उदासीनो गतव्यथः। सर्वारम्भपरित्यागी यो मद्भक्तः स मे प्रियः।।

प्र.4 आद्य शंकराचार्यस्य शैली स्पष्टीकुरूत। **16**

अथवा

गीताभाष्यस्य वर्णन कुरूत.

प्र.5 अध्यायस्य रसग्रहणं कुरूत। **16**

SLR-CT-28

Seat No.	

Set P

M.A. (Sanskrit) (Semester - IV) (New) (CBCS) Examination: Oct/Nov-2022
संस्कृतवाङ्मयेतिहासः

Day & Date: Wednesday, 22-02-2023 Max. Marks: 80
Time: 03:00 PM To 06:00 PM

सूचना : 1) सर्व प्रश्न अनिवार्य आहेत.
2) सर्व प्रश्नांची उत्तरे एकाच उत्तर पत्रिकेत लिहावीत.

प्र.1 योग्य पर्यायं चिनुत? **16**

1) कालिदासकृत रूपकानां ––– संख्या विद्यते।
अ) 02 ब) 03
क) 05 ड) 10

2) ––– काव्ये ब्राह्मणः नायकः भवति।
अ) मृच्छकटिके ब) रामायणे
क) रघुवंशे ड) हर्षचरिते

3) ––– कवीनां निकषं गदन्ति।
अ) पद्यं ब) चम्पू
क) गद्यं ड) त्रिविक्रमः

4) अधोलिखितेषु राजनीतियुक्तं ––– काव्यं विद्यते।
अ) मृच्छकटिकम् ब) मुद्राराक्षसम्
क) रघुवंशम् ड) हर्षचरितम्

5) वाल्मिकीरामायणे अत्यधिकः प्रयुक्तः ––– छन्दः विद्यते।
अ) अनुष्टुप् ब) बृहती
क) वसन्ततिलका ड) वंशस्थ

6) अधोलिखितेषु 'वेदत्रयीषु' ––– वेदस्य गणना न भवति।
अ) यजुः ब) ऋग्
क) साम ड) अथर्व

7) नाट्यानुसारं 'रूपकस्य' ––– भेदाः भवन्ति।
अ) 10 ब) 11
क) 12 ड) 13

8) वेदांगानां ––– संख्या विद्यते।
अ) 05 ब) 04
क) 06 ड) 08

9) रामायणस्य निर्धारितः ––– कालः विद्यते।
अ) 500 ई.पू. ब) 800 ई.पू.
क) 1200 ई.पू. ड) 200 ई.पू.

10) यजुर्वेदस्य मुख्यरूपेण ––– विभागाः सन्ति।
अ) 04 ब) 05
क) 02 ड) 08

11) उपनिषदः ––– संख्या अस्ति।
अ) पंचदश ब) षोडश
क) नव ड) एकादश

12) रामायणे ––– काण्डाः सन्ति।
अ) 06 ब) 04
क) 10 ड) 07

13) वाल्मिकीरामायणे ––– रसस्य प्रधानता विद्यते।
अ) करूण ब) श्रृंगार
क) शान्त ड) अद्भुत

14) दशरूपक के अनुसार 'भाण' रूपक में ––– अंक होते है।
अ) 02 ब) 01
क) 3 ड) 04

15) ––– 'रूपके' एकैवपात्रः भवति।
अ) नाटके ब) प्रकरणे
क) भाणे ड) रूपके

16) धनंजयानुसारं 'हास्यरसप्रधानं' ––– नाटकंभवति।
अ) प्रकरण ब) प्रहसन
क) भाण ड) वीथी

प्र.2 अधोलिखितेषु चतस्रः टिप्पण्यः लिखत? **16**

1) वेदः।
2) वेदांग।
3) रामायणम्।
4) महाभारतम्।
5) कालिदासः।
6) भवभूतिः।

प्र.3 अधोलिखितेषु द्वयोः प्रश्नयोः व्याख्यां कुरूत? **16**

1) पंच–अवस्थायाः सविस्तरं वर्णनं कुरूत?
2) संस्कृतगद्यपरम्परायाः वर्णनं कुरूत?
3) रूपकस्य परिभाषां लिखित्वा तेषां नामानि लिखत?
4) काव्यस्य परिभाषां लिखित्वा मम्मटानुसारं काव्यप्रयोजनं लिखत?

प्र.4 महाभारतस्य सामाजिकव्यवस्थायाः वर्णनं कुरूत? **16**

अथवा

रामायणस्य धार्मिकव्यवस्थायां वर्णनं कुरूत?

प्र.5 लघुत्रयी काव्यानां सविस्तर परिचयः लेखितव्यः **16**

SLR-CT-33

Seat No.	

Set P

M.A. (Sanskrit) (Semester - IV) (New) (CBCS) Examination: Oct/Nov-2022
पंचतंत्र अपरिक्षितकारकम्

Day & Date: Friday,24-02-2023 Max. Marks: 80
Time: 03:00 PM To 06:00 PM

सूचना : 1) सर्व प्रश्न अनिवार्य आहेत.
2) सर्व प्रश्नांची उत्तरे एकाच उत्तर पत्रिकेत लिहावीत.

प्र.1 योग्य पर्यायं चिनुत? **16**

1) कथासाहित्यस्य ––– भेदाः वर्णिताः सन्ति।
अ) चत्वारः ब) पंच
क) अष्ट ड) दश

2) पंचतन्त्र हे ––– कथासाहित्य आहे।
अ) अद्‌भुत ब) नीति
क) वणिक् ड) पशु

3) पंचानां तन्त्राणां ––– इति पंचतन्त्रम्।
अ) समूहः ब) एकीकरणम्
क) एकता ड) समाहारः

4) 'पंचतन्त्रम्' इत्यत्र 'तन्त्र' शब्दस्य कोऽर्थः?
अ) शासनम् ब) भेदः
क) विभागः ड) व्याकुलीकरणम्

5) 'पंचतन्त्रम्' इत्यत्र कः समासः विद्यते?
अ) समाहारः ब) बहुव्रीहि
क) इतरेतर ड) उपपद

6) अधोलिखितेषु ––– ग्रन्थस्य कथासु ग्रहणं भवति।
अ) मेघदूतम् ब) नीतिशतम्
क) पंचतन्त्रम् ड) सूर्यशतकम्

7) काकोलूकीयतन्त्रे ––– कथाः सन्ति।
अ) 15 ब) 16
क) 20 ड) 12

8) 'लब्धप्रणाश' इति तन्त्रे ––– कथाः सन्ति।
अ) 10 ब) 13
क) 20 ड) 11

9) पंचतंन्त्रानुसारं सर्वशीतलम् ––– अस्ति।
अ) चन्दनं ब) जलम्
क) पुत्रगात्रसंसर्ग ड) हीमम्

10) 'मुर्खपडितकथानुसारं' अर्धं त्यजति ———।
अ) ब्राह्मणः ब) क्षपणकः
क) बौद्धाः ड) पण्डितः

11) अधोलिखितेषु ——— अभिप्रायाः न सिध्यन्ति।
अ) मनुष्यस्य ब) गवां
क) सर्पाणां ड) मार्जाराणाम्

12) अपरीक्षितकारकानुसारं 'धर्मस्य' का गतिः?
अ) सत्यता ब) निष्ठुरता
क) पटुता ड) तीव्रता

13) पंचतन्त्रानुसारं 'धीवर' शब्दस्य कोऽर्थः?
अ) रस्सी ब) जल
क) मछुआरा ड) अग्निः

14) अधोलिखितेषु एका सदैव तरूणायते।
अ) तृष्णा ब) दन्ताः
क) केशाः ड) कर्णौ

15) अधोलिखितेषु ——— ग्रन्थः 'विष्णुशर्मणः' विद्यते।
अ) हितोपदेशः ब) पंचतन्त्रम्
क) वाक्यशास्त्रम् ड) चन्द्रालोकः

16) एकः स्वादु न भुंजीत' दति वाक्यं ——— कथायाः विद्यते।
अ) भारूण्डपक्षि ब) मन्थरकौलिक
क) सिंहकारक ड) मूर्खबाह्मण

प्र.2 अधोलिखितेषु चतस्रः कथायाः सारं लिखत? **16**

1) भाविसोमशर्मपितृ कथा।
2) क्षपणक कथा।
3) भारूण्डपक्षिकथा।
4) ब्राह्मणकर्कटक कथा।
5) मन्थरकौलिक कथा।
6) मूर्खपण्डित कथा।

प्र.3 अधोलिखितेषु द्वयोः ससन्दर्भ व्याख्यां कुरूत? **16**

1) अथ तस्य स्वप्ने पद्मनिधिः क्षपणकरूपी दर्शनं दत्वा प्रोवाच—भोः श्रेष्ठिन् मा त्वं वैराग्यं गच्छ। अहं पद्मनिधिस्तव पूर्वपुरूषोपार्जितः। तदनेनैव रूपेण प्रातस्त्वद्गृहमागामिष्यामि।

2) स प्राह—मूढ न किंचित वेत्स, प्राक्ताम्रम्, ततो रूप्यम्, ततः सुवर्णम्, तन्नूनमतः परं रत्नानि भविष्यन्ति, येषामेकतमेनापि द्रारिद्रयनाशो भवति, तदुत्तिष्ठ, अग्रे गच्छावः। किमनेन भारभूतेनामि प्रभूतेन?

3) न तत्स्वर्गेऽपि सौख्यं स्याद्दिव्यस्पर्शेन शोभने। कुस्थानेऽपि भवेत्पुंसां जन्मनो यत्र संभवः।

4) एताः स्वार्थपरा नार्यः केवलं स्वसुखे रताः। न तासां वल्लभः कोऽपि सुतोऽपि स्वसुखं विना।

प्र.4 नीतिकथाओं की विशेषताओं की सविस्तर वर्णन करें। **16**

अथवा

पंचतन्त्र एवं हितोपदेश में अन्तर स्पष्ट करें।

प्र.5 वर्त्तमानाकाले पंचतन्त्रस्य उपयोगितायाः वर्णनं कुरूत्। **16**

SLR-CT-37

Seat No.	

Set P

M.A. (Sanskrit) (Semester - IV) (Old) (CBCS) Examination: Oct/Nov-2022
अनुवादः संभाषणकौशल्यं च

Day & Date: Monday, 20-02-2023 Max. Marks: 70
Time: 03:00 PM To 06:00 PM

सूचना : 1) सर्व प्रश्न अनिवार्य आहेत.
2) उजवीकडील अंक पूर्ण गुण दर्शवितात.
3) सर्व प्रश्नांची उत्तरे एकाच उत्तरपत्रिकेत लिहावीत.

प्र.1 योग्यं पर्यायं चित्वा वाक्यं पुनर्लिखत। 14
योग्य पर्याय निवडून वाक्य पुन्हा लिहा.

1) ––– अनुवादात शैलीचा अनुवाद नसतो.
अ) छाया ब) शब्द
क) प्रतीक ड) भाव

2) व्यावहारिक अनुवादात ––– अनुवाद अधिक उपयुक्त असतो.
अ) छाया ब) सार
क) प्रतीक ड) शब्द

3) सूत्रांच्या अनुवादासाठी ––– अनुवाद अधिक उपयुक्त असतो.
अ) सार ब) व्याख्या
क) प्रतीक ड) शब्द

4) 'आवृत्तिरनुवादो वा–पुनरावर्तन म्हणजे अनुवाद आहे' असे मत यांचे आहे.
अ) यास्क ब) पाणिनी
क) जैमिनी ड) भर्तृहरि

5) 'लेखक होणे सोपे पण अनुवादक होणे अत्यंत कठिण आहे'. असे मत ––– यांचे आहे.
अ) खुशवन्त सिंह ब) लोकमान्य टिळक
क) वेबर ड) मामा वरेरकर

6) 'प्रत्येक कृतीचा अनुवाद योग्य आहे, परंतु प्रत्येक कृतीचा उत्तम अनुवाद केला जाऊ शकत नाही.' असे मत ––– यांचे आहे.
अ) खुशवन्त सिंह ब) लोकमान्य टिळक
क) वेबर ड) त्र्यं.वि.देशमुख

7) अनुवाद म्हणजे जणु प्रकाशासाठी उघडलेली खिडकी आहे यामुळे टरफले टाकून सार आस्वाद्य होतो' असे मत ––– चे आहे.
अ) न्यायसूत्र ब) लोकमान्य टिळक
क) बायबल ड) त्र्यं.वि.देशमुख

8) समभाषिक, अन्यभाषिक आणि अन्तरसंकेतपरक असे तीन ––– चे प्रकार पडतात.
अ) लक्ष्यभाषा ब) स्रोतभाषा
क) आरम्भभाषा ड) अनुवाद

9) 'विधिविहीतस्य अनुवचनम् अनुवाद।' ही व्याख्या ––– यामध्ये येते.
   अ) मीमांसा सूत्र   ब) न्याय सूत्र
   क) जैमिनी सूत्र   ड) व्याकरण सूत्र

10) ––– पदम् त्याज्यम् हीनम् वाक्ये निवेषयेत।
   अ) अतिरिक्तम्   ब) आकस्मिकम्
   क) संग्राह्यम्   ड) सुप्तिङन्तम्

11) ––– भाषेतील रामायण व महाभारत ग्रंथांचा व्यापक स्तरावर अनुवाद झाला.
   अ) प्राकृत   ब) पाली
   क) संस्कृत   ड) ब्राह्मी

12) मूळ रचना ––– आहे. मानली तर अनुवाद Creation
   अ) Reforming   ब) Re assembling
   क) Recreation   ड) Reconstruction

13) ––– अनुवादात स्रोत भाषेचा प्रभाव असतोच.
   अ) परिस्थितीच्या   ब) शब्द
   क) प्रतीक   ड) भाव

14) संस्कृतच्या अनुवादासाठी ––– अनुवाद अधिक उपयुक्त असतो.
   अ) सार   ब) व्याख्या
   क) प्रतीक   ड) शब्द

प्र.2 टिप्पणीं लिखत। केवलं 4 **16**
टिपा लिहा. फक्त 4

1) द्विकर्मक, कर्मणि वाक्य अनुवाद
2) लकारानुवाद
3) संस्कृत अनुवादस्य इतिहासः
4) छायानुवाद
5) व्यतिरेकी भाषानुवाद
6) प्रतीकानुवाद

प्र.3 ससंदर्भम् स्पष्टीकुरूत। केवलं 2 **12**
सन्दर्भासह स्पष्टीकरण करा. फक्त 2

1) तथानुष्ठिते रासभ–रटनम् आकर्ण्य क्षेत्रपः क्रोधात् दंतान् धर्षयन् प्रधावितः। यावद् रासभो दृष्टस्तावल्लगुड–प्रहारैस्तथा हतो, यथा प्रताडितो भूपृष्ठे पतितः। ततश् च सच्छिद्रम् उलूखलं तस्य गले बद्ध्वा क्षेत्रपालः प्रसुप्तः। रासभोपि स्वजाति–स्वभावाद् गत–वेदनः क्षणेनाभ्युत्थितः। उक्तं च–
   सारमेयस्य चाश्वस्य रासभस्य विशेषतः।
   मुहूर्तात् परतौ न स्यात् प्रहार–जनिता व्यथा।।

2) अथ तत्र वृक्षे कश्चित् व्यंतरः समाश्रित्य आसीत्। अथ तेनाभिहितम्–भोः! मद्–आश्रयोऽयं पादपः सर्वथा रक्षणीयः। यतोऽहम् अत्र महा–सौख्येन तिष्ठामि। समुद्र–कल्लोल–स्पर्शनाच् छीत–वायुनाप्यायितः।
   कौलिक आह–भोः! किम् अहं करोमि?दारु–सामग्रीं विना मे कुटुंब बुभुक्षया पीड्यते। तस्माद् अन्यत्र शीघ्रं गम्यताम्। अहम् एनं कर्तयिष्यामि।

व्यंतर आह–भो:! तुष्टस् तवाहम्। तत् प्रार्थ्यताम् अभीष्टं किञ्चित्। रक्षैमं पादपम् इति। कौलिक आह–यद्य् एव तद् अहं स्व–गृहं गत्वा स्व–मित्रं स्व–भार्यां च पृष्ट्वा आगमिष्यामि। ततस् त्वया देयम्।

3) पुन्हा त्या गृहस्थाने त्या मुलांना तशाच प्रकारची एकेक काठी घेऊन यायला सांगितले. पाच जणांनी पाच काठ्या आणून वडिलांपुढे ठेवल्या. वडिलांनी त्या पाच काठ्यांची एका दोरीने मोळी बांधली आणि प्रत्येकाला ती मोडायला सांगितली. पाच काठ्या एकत्र असलेली ती मोळी आपल्या पाच मुलांपैकी कुणालाच मोडता येत नसल्याचे पाहून तो गृहस्थ त्यांना म्हणाला, बघितलंत ना? एकीचे बळ किती असते ते? वडील एवढेच बोलले; पण ते सूज्ञ मुलगे समजायचे ते समजले. तेव्हापासून एकजुटीने वागु लागले.

4) मराठी विकिपीडिया हा विकिपीडिया या मुक्त ऑनलाईन ज्ञानकोश प्रकल्पातील मराठी भाषेतला ज्ञानकोश आहे. मे 1, इ.स. 2033 रोजी मराठी विकिपीडियाची सुरुवात झाली. जुलै, इ.स. 2016 मध्ये मराठी विकिपीडियाची लोकसंख्या 42,000 च्यावर जाऊन पोहचली. डिसेंबर 2017 मध्ये मराठी विकिपीडियावर 50,000 लेख पूर्ण झाले आहेत. विकिपीडियाचे प्रशासक, प्रचालक यांच्या मतानुसार विकिपीडियावर लेख लिहिताना त्यातील माहिती अचूकच पहिजे असा हट्टाग्रह करुन उपयोग नाही. परिणामतः येथील मजकूर अचूकच असेल याची कोणतीही खात्री देता येऊ शकत नाही.

प्र.4 खालीलपैकी कोणत्याही एका प्रश्नाचे उत्तर लिहा. **14**

नियामापसारः लाभाय। इति विषयमधिकृत्य निबंधम् लिखत।

किंवा

योगस्य लाभविषये द्वयोः संवादं लिखत।

प्र.5 अनुवादशास्त्रस्य महत्वं लिखित्वा आधुनिकाले उपयोगितां च स्पष्टयत। **14**

SLR-CT-38

Seat No.	

Set P

M.A. (Sanskrit) (Semester - IV) (Old) (CBCS) Examination: Oct/Nov-2022
संस्कृतवाक्यशास्त्रम् शाब्दबोधःच

Day & Date: Tuesday, 21-02-2023 Max. Marks: 70
Time: 03:00 PM To 06:00 PM

सूचना : 1) सर्व प्रश्न अनिवार्य आहेत.
2) उजवीकडील अंक पूर्ण गुण दर्शवितात.

प्र.1 योग्यं पर्यायं चित्वा वाक्यं पुनर्लिखत। 14
योग्य पर्याय निवडून वाक्य पुन्हा लिहा.

1) पंकजः इति ––– पदस्य उदाहरणम्।
अ) योगरूढ ब) यौगिक रूढ
क) रूढ ड) योग

2) पाकक्षिकप्राप्तौ इति ––– पदस्य उदाहरणम्।
अ) योगरूढ ब) यौगिक रूढ
क) रूढ ड) योग

3) उद्भित् इति ––– पदस्य उदाहरणम्।
अ) योगरूढ ब) यौगिक रूढ
क) रूढ ड) योग

4) दर्शनेषु ––– प्रमाणविचारे वाक्यविचारः भवति।
अ) शवद ब) प्रत्यक्ष
क) अर्थापत्ति ड) उपमान

5) न्यायमतानुसारम् ––– मुख्यविशेषकः शाब्दबोधः भवति।
अ) धात्वर्थ ब) आख्यातार्थ
क) प्रथमान्तार्थ ड) वाक्यार्थ

6) मीमांसानुसार ––– मुख्यविशेषकः शाब्दबोधः भवति।
अ) धात्वर्थ ब) आख्यातार्थ
क) प्रथमान्तार्थ ड) वाक्यार्थ

7) विधिवाक्यम् ––– विधम् भवति।
अ) पंचविधम् ब) चतुर्विधम्
क) त्रिविधम् ड) बहुविधम्

8) पाकक्षिकप्राप्तौ ––– विधिः।
अ) गुणविधिः ब) अपूर्वविधिः
क) नियमविधिः ड) परिसंख्याविधिः

9) तत्र च अन्यत्र च प्राप्तौ ––– विधिः

अ) गुणविधिः ब) अपूर्वविधिः

क) नियमविधिः ड) परिसंख्याविधिः

10) समुदाय शक्तिः –––– पदे भवति।

अ) रूढ–पदे ब) योगिक–पदे

क) योगरूढ ड) यौगिक–रूढि पदे

11) समुदाय शक्त्या सह पदव्युत्पत्या एकस्मात् ––– अर्थ बोधः भवति।

अ) रूढि पदात् ब) योगिक पदात्

क) योगरूढ पदात् ड) यौगिक–रूढि पदात्

12) समुदाय शक्त्या पदव्युत्पत्याच एकस्य एव ––– शब्दस्य अर्थद्व्यम् भवति।

अ) रूढि पदस्य ब) योगिक पदस्य

क) योगरूढ पदस्य ड) यौगिक–रूढि पदस्य

13) घटः इति ––– पदस्य उदाहरणम्।

अ) योगरूढ ब) यौगिक रूढ

क) रूढ ड) योग

14) तात्पर्यवृत्तिः ––– दर्शनेन स्विक्रियते।

अ) न्याय ब) वैशेषिक

क) सांख्य ड) उत्तर मीमांसा

प्र.2 टिप्पणी लिखत। (केवलं 4) **16**

टिपा लिहा. (फक्त 4)

अ) प्रकरणादि तात्पर्य–ग्राहक

ब) योगरूढ व यौगिक शब्द

क) व्यक्ति–शक्तिवाद

ड) धात्वर्थ–मुख्यविशेषता

इ) विधि व निषेधात्मक वाक्य

ई) नियम व परिसंख्यात्मक वाक्य

प्र.3 सन्दर्भम् स्पष्टीकुरूत। (केवलं 2) **12**

संदर्भासह स्पष्टीकरण करा.

अ) नियम–पररिसंख्ययोः भेदम् सोदाहरणम् स्पष्टत।

ब) तात्पर्यज्ञानस्य वाक्यार्थ ज्ञान हेतुत्वम् मतभेदेन चर्चयत।

क) शाब्दबोधे अन्वयस्य महत्वम् स्पष्टयत।

ड) जाति–गुण–व्यक्ति संख्या इत्यादि पद प्रवृत्ति निमित्तानि सोदाहरणम् विशदयत।

प्र.4 अ) संस्कृतवाक्य–वाक्यार्थ विचारस्य महत्वं वैशिष्ट्यम् च विशदयत। **14**

किंवा

ब) शक्तिग्रहोपायान् सोदाहरण् निरूपयत।

प्र.5 'आरोग्यकामो भेषजमश्नीयात्', 'सुरां न पिबेत्', 'संविधानेन एव आचरेत' पंचपंचनखाः भक्ष्याः' एतेषां वाक्यानाम् अन्वयपूर्वकम् शाब्दबोधम् वर्णयत। **14**

SLR-CT-39

Seat No.	

Set P

M.A. (Sanskrit) (Semester - IV) (Old) (CBCS) Examination: Oct/Nov-2022
योगदर्शनम्

Day & Date: Wednesday, 22-02-2023 Max. Marks: 80
Time: 03:00 PM To 6:00 PM

सूचना : 1) सर्व प्रश्न अनिवार्य आहेत.
2) उजवीकडील अंक पूर्ण गुण दर्शवितात.

प्र.1 योग्य पर्याय चिनुत? **16**

1) अधोलिखितेषु चित्तभूमिषु एकस्य गणना न भवति?
अ) क्षिप्त ब) प्रक्षिप्त
क) मूढ ड) एकाग्र

2) अधोनिर्दिष्टेषु प्रमाणेषु ——— प्रमाणं योगदर्शनकारः स्वीकरोति।
अ) अर्थापत्तिः ब) उपसंहृतिः
क) शब्दः ड) उपमानम्

3) योगदर्शनस्य द्वितीयपादस्य ——— नाम विद्यते।
अ) साधन ब) समाधि
क) विभूति ड) कैवल्य

4) योगदर्शनस्य तृतीयपादस्य ——— नाम विद्यते।
अ) साधन ब) समाधि
क) विभूति ड) कैवल्य

5) योगदर्शनानुसारं ——— क्लेशाः सन्ति।
अ) षड् ब) अष्ट
क) नव ड) पंच

6) योगदर्शनानुसारं 'क्रियायोगेषु' ——— गणना न भवति।
अ) सन्तोष ब) तप
क) स्वाध्याय ड) ईश्वरप्रणिधान

7) अधोलिखितेषु एकः क्लेशः नास्ति?
अ) अविद्या ब) स्मिता
क) राग ड) अभिनिवेश

8) अहिंसासत्यास्तेयब्रह्मचर्यापरिग्रहाः ———।
अ) यमाः ब) नियमाः
क) आसनानि ड) प्राणायामः

9) शौचसन्तोषतस्वाध्यायेश्वरप्रणिधानानि ———।
अ) क्रियायोगः ब) यमाः
क) नियमाः ड) अहिंसा

10) अधोलिखितस्य एकस्य नियमेषु गणना भवति?
- अ) अहिंसा
- ब) परिग्रह
- क) तप
- ड) ऋत

11) योगदर्शनानुसारं कति मुद्राः सन्ति?
- अ) पंचदश
- ब) सप्तदश
- क) अष्टादश
- ड) षोडश

12) देशबन्धश्चित्तस्य ———।
- अ) ध्यानम्
- ब) धारणा
- क) समाधि
- ड) प्रत्याहार

13) योगदर्शनस्य प्रणेता कः अस्ति?
- अ) पतंजलिः
- ब) कणादः
- क) विश्वनाथः
- ड) व्यासः

14) योगदर्शनानुसारं ''द्वन्द्वसहिष्णुत्वं' ———।
- अ) दिनचर्या
- ब) तपः
- क) योगः
- ड) वैराग्यः

15) योगदर्शनस्य प्रथमपादे कति सूत्राणि सन्ति?
- अ) 52
- ब) 56
- क) 51
- ड) 30

16) अथ योगानुशासनम्' इत्यत्र 'अथ' शब्दस्य कः अर्थः?
- अ) अधिकारार्थः
- ब) अव्ययार्थ
- क) एवमेव
- ड) पदपूरणार्थः

प्र.2 अधोलिखितेषु चतस्रः टिप्पण्यः लिखत? **16**

1) नियमाः।
2) गुणाः। सत्व, रज, तम।
3) प्राणायामः।
4) प्रमाणानि।
5) विघ्नाः।
6) प्रत्याहार, धारणा।

प्र.3 अधोलिखितेषु द्वयोः सूत्रयोः व्याख्यां लिखत? **16**

1) जन्मजसिद्धी, मन्त्रजसिद्धी द्वयोः स्पष्टीकरणं कुरूत?
2) त्रयमेकत्र संयमः इति वर्णयत?
3) ते व्यक्तसूक्ष्माः गुणात्मनः इति स्पष्टं कुरूत?
4) अभ्यासवैराग्ययोः संक्षिप्तं वर्णनं वर्णयत?

प्र.4 योगदर्शनस्य सामान्य परिचयः लेखनीयः? **16**

अथवा

अविद्यादि पंचक्लेशान् सविस्तरं वर्णयत?

प्र.5 योगदर्शनसांख्यदर्शनयोः को भेदः सविस्तरं वर्णयत? **16**

Seat No.	

Set P

M.A. (Sanskrit) (Semester - IV) (Old) (CBCS) Examination: Oct/Nov-2022
काव्यम् रामायणम् –बालकाण्डम् अध्याया 5ः त 15ः

Day & Date: Thursday, 23-02-2023 Max. Marks: 70
Time: 03:00 PM To 06:00 PM

सूचना : 1) सर्व प्रश्न अनिवार्य आहेत.
2) उजवीकडील अंक पुर्ण गुण दर्शवितात.

प्र.1 योग्य पर्याय निवडा. **14**

1) संस्कृत वाङ्मये वाल्मिकीरामायण् ––– संबोध्यते।
अ) काव्यम् ब) पुराणम्
क) आदिकाव्यम् ड) वेदांगम्

2) वाल्मिकीरामायणे ––– श्लोकाः सन्ति।
अ) 24,000 ब) 10,000
क) 23,000 ड) 22,000

3) रामायणे रामानुजीय व्याख्या ––– इत्येतैःलिखिता।
अ) वरदराज ब) कंदाल रामानुज
क) माहेश्वर तीर्थ ड) वाल्मीकि

4) वरदराजेन ––– टीका रामायणोपरि लिखिता।
अ) विवेकतिलक ब) रामायण शिरोमणी
क) तत्वदीप ड) माहेश्वरी

5) तीर्थव्याख्यायाः रचयिता ––– वर्तते।
अ) सुरेश्वरतीर्थ ब) गोविंदराज
क) वरदराज ड) माहेश्वरतीर्थ

6) रामाभिरामी टीकायाः रचयिता ––– वर्तते।
अ) भट्टोजीदिक्षित ब) वरदराजभट्ट
क) नागोजिभट्ट ड) शिवसहाय

7) रामायणस्य ––– काण्डे आयुर्वेद विज्ञानस्य उल्लेखः विद्यते।
अ) बालकांडे ब) युध्द कांडे
क) किष्किन्धा कांडे ड) सुंदर कांडे

8) अयोध्यानगर्याः क्षेत्रम् ––– अस्ति।
अ) 12 × 3 योजन ब) 20 × 4 योजन
क) 3 × 3 योजन ड) 20 × 30 योजन

9) बालकांडस्य पंचम् सर्गे 'तोफ' इत्यस्य कृते ——— शब्दः वर्तते।
अ) गोलक यंत्रम् ब) करालकम्
क) विस्फोटकम् ड) शतघ्नी

10) अयोध्यानगर्याः आकारः ——— आसीत्।
अ) व्दिपदाकारः ब) षट्पदाकार
क) चतुशपदाकारः ड) अष्टापदाकारः

11) युध्दकांडस्य षष्ठाध्याये ——— वर्णनम् अस्ति।
अ) रावणस्य ब) अयोध्या नागरिकाणाम्
क) लंकापुरवासिनाम् ड) किष्किन्धा नागरिकाणाम्

12) भद्रमंद्रमृग इति ——— इत्यस्य प्रजातयः।
अ) अश्वानाम् ब) मनुष्यानाम्
क) गवाम् ड) हस्तिनाम्

13) सुमंत्र–अमात्यः ——— शास्त्रस्य ज्ञाता आसीत्।
अ) आयुर्वेद ब) यजुर्वेद
क) धनुर्वेद ड) अर्थशास्त्र

14) बालकांडस्यसप्तमअध्याये ——— इत्येयेषाम् गुणाः वर्णिताः।
अ) मनुष्याणाम् ब) पण्डितानाम्
क) राजसस्त्रिणाम् ड) राजामात्यानाम्

प्र.2 टिप्पणीं लिखत। (केवलं चार) **16**

1) रामायणनायकस्य प्रकृतिः
2) रामायण–नायिकायाः प्रकृति
3) रामायणस्य छंदोरचना
4) महर्षिः वाल्मीकिः
5) रामायणस्य विश्वस्मिन् प्रचारः
6) रामायणस्य अंगीरसः

प्र.3 ससन्दर्भम् स्पष्टीकुरुत। (केवलं 2) **12**
संदर्भासह स्पष्टीकरण करा.

1) बालकाण्डस्य सप्तमसर्गानुसारेण राजा दशरथस्य मंत्रिमंडलस्य मंत्रिणाम् विद्यायाः गुणानाम् च वर्णनम् कुरुत।
2) बालकाण्डानुसारम् मुनेः ऋष्यश्रृंगस्य चरित्र चित्रणम् कुरुत।
3) बालकाण्डस्य द्वादशसर्गानुसारम् अश्वमेधयज्ञस्य व्यवस्थापन– वर्णनम् कुरुत।

प्र.4 कस्यचिद् एकस्य समाधानं देयम्। **14**

रामायाणोपजीवी प्रत्येकी एक संस्कृत महाकाव्य व नाटकांचे विस्तृत परिचय व त्या कवीचे वैशिष्ट्य लिहा.

किंवा

रामायणामध्ये साहित्यशास्त्र दृष्टीने महाकाव्य लक्षणांचा समन्वय करा.

प्र.5 संस्कृतसाहित्ये रामायणस्य महत्वं विशदयत। बालकाण्डस्य षष्ठसर्गानुरुपम् अयोध्या नागरिकाणाम् आर्थिकम् सामाजिकम् चित्रणम् कुरुत च । **14**